



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

21 कार्तिक 1931 (श0)
(सं0 पटना 570) पटना, वृहस्पतिवार, 12 नवम्बर 2009

सं० गव्य (सह-1)109/2003प0पा0-876
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग (गव्य विकास)

संकल्प

10 नवम्बर 2009

विषय—बिहार स्टेट डेयरी कारपोरेशन लि०,पटना (बिहार राज्य गव्य निगम ,पटना) को विघटित करने हेतु निगम की परिसम्पत्ति एवं देयता का निबटारा करने के संबंध में ।

बिहार में आपरेशन फ्लड-II की योजना के कार्यान्वयन हेतु संगठित बिहार स्टेट को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लि० (कम्फेड) को गव्य विकास कार्यों के लिए परियोजनाओं के हस्तान्तरण हेतु विभागीय संकल्प ज्ञापांक 321, दिनांक 10 फरवरी 1984 द्वारा राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया कि गव्य निगम की सभी परिसम्पत्ति एवं देयता मिल्क फेडरेशन को हस्तान्तरित कर दी जाय एवं निगम में कार्यरत सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी उपर्युक्तता एवं आवश्यकता के अनुरूप मिल्क फेडरेशन में तथा शेष बचे पदाधिकारी / कर्मचारी को रिक्तियों के आधार पर पशुपालन एवं अन्य विभागों में सामंजित कर दिया जाय । हस्तान्तरण सम्पूर्ण होने के पश्चात् गव्य निगम को विघटित कर दी जाय ।

2. उक्त विभागीय संकल्प के आलोक में निगम में कार्यरत सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी उपर्युक्तता एवं आवश्यकता के अनुरूप मिल्क फेडरेशन तथा अतिरिक्त पदाधिकारी/कर्मचारी को राज्य के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों के विरुद्ध समायोजित किया गया तथा निगम की परिसम्पत्ति को दिनांक 30 जून 1984 तक उसी स्थिति में मिल्क फेडरेशन को हस्तान्तरित किया गया ।

3. तदनुरूप निगम को शीघ्र विघटित करने हेतु मेसर्स सालारपुरिया जजोरिया एण्ड कम्पनी ,पटना का प्रतिवेदन प्राप्त किया गया । प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार निगम का वर्ष 1991-92 के वार्षिक लेखा के आधार पर निगम के जिम्मे राज्य सरकार का ऋण ,ऋण पर सूद तथा निगम को हस्तान्तरित की गई, परिसम्पत्ति का कुल मूल्य रु० 6,33,68,069.46 करोड़ आँका गया है तथा निगम द्वारा मिल्क फेडरेशन को हस्तान्तरित की गई परिसम्पत्ति का बुक भैल्यू के आधार पर कुल राशि

रु0 4,81,63,359.72 ऑकी गई । इस प्रतिवेदन पर मिल्क फेडरेशन द्वारा सहमति प्रदान की गई है । इस प्रकार निगम की शेष देयता रु0 6,33,68,069.46—4,81,63,359.72 = 1,52,04,709.74 होती है ।

4. उपर्युक्त के अनुसार राज्य सरकार के पास निगम की देयता को अपलिखित करने का प्रश्न था तथा साथ ही, फेडरेशन को हस्तान्तरित कि गई सम्पत्ति के हिस्सापूँजी /अनुदान के अंश पर भी निर्णय लेना विचाराधीन था ।

5. अतः सम्यक विचारोपरान्त राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है कि बिहार राज्य गव्य निगम,पटना कि परिसम्पत्ति का अंश जिसका बुक भैल्यू रु0 4,81,63,359.72 होती है एवं उसी स्थिति में मिल्क फेडरेशन को पूर्व में ही हस्तान्तरित की जा चुकी है ,को उसे इक्यूटी (Equity) के रूप में परिवर्तित कर दी जाये एवं शेष बची देयता रु0 1,52,04,709 = 94 को हानि के रूप में अपलिखित कर दिया जाय ।

6. उपर्युक्त निर्णय के अनुसार बिहार स्टेट डेयरी कॉरपोरेशन लि0(बिहार राज्य गव्य निगम,पटना) कि सभी परिसम्पत्ति एवं देयता शून्य हो जाती है ।

आदेश—आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रतियों को बिहार स्टेट को—ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लि0 (कम्फेड) को आवश्यक कार्रवाई करने हेतु दी जाये तथा संकल्प की प्रति को राजकीय गजट की असाधारण संस्करण में आम जानकारी के लिए प्रकाशित कराया जाय ।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

(ह0)—अस्पष्ट,

सरकार के उप सचिव ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 570-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>